भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 751**
29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

**स्पार्क कार्यक्रम**

751. श्री कृपानाथ मल्लाह:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुर्वेद अनुसंधान केन (स्पार्क) के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है और यह किस प्रकार आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देगा; और

(ख) यह छात्रों को आयुर्वेदिक विज्ञान में उन्नति के लिए सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए कौन-कौन से अवसर प्रदान करता है?

**उत्तर**
**आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**
**(श्री प्रतापराव जाधव)**

(क): आयुर्वेद स्नातक-पूर्व छात्रों में अनुसंधान के प्रति रुचि पैदा करने तथा योग्यता को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) द्वारा आयुर्वेद अनुसंधान केन के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम (स्पार्क) सितंबर, 2022 में प्रारंभ किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, स्नातक-पूर्व आयुर्वेद छात्रों को स्वतंत्र अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करने हेतु उन्हें लघु अवधि के लिए अनुसंधान क्रिया पद्धतियों और तकनीकों से परिचित कराने का अवसर प्रदान करना है। स्पार्क कार्यक्रम के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है और यह स्नातक-पूर्व बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) के छात्रों के लिए पहले वर्ष से चौथे वर्ष (चौथे वर्ष की अंतिम परीक्षा में उपस्थित होने से पहले) के लिए है। इस छात्रवृति का मूल्य 25,000 रुपए प्रति माह है जो केवल दो माह की अवधि के लिए (कुल 50,000 रुपए) है। वर्ष 2022-23 के बैच में, कुल 778 शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 100 प्रस्तावों का चयन तीन स्तरीय समीक्षा प्रणाली के माध्यम से किया गया और 95 उम्मीदवारों को उनकी अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने और स्वीकार किए जाने के बाद छात्रवृत्ति प्रदान की गई। वर्ष 2023-2024 में, आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद अनुसंधान केन के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम (स्पार्क) में वार्षिक प्रवेश 100 से बढ़ाकर 200 कर दिया है। इस वर्ष स्पार्क के लिए कुल 2186 छात्रों को पंजीकृत किया गया, जिसमें ऑनलाइन वेब पोर्टल पर 615 सफल प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। दिनांक 18.01.2024 को, स्पार्क बैच 2023-2024 का परिणाम स्पार्क वेब पोर्टल और सीसीआरएएस वेबसाइट पर घोषित किया गया है। इसके अनुसार, कुल 198 अभ्यर्थियों को उनकी अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने और स्वीकार किए जाने के बाद छात्रवृति प्रदान की गई। वर्ष 2024-25 के लिए, परिषद को, आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में परिषद द्वारा प्रतिभागियों की उत्कृष्ट प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप, वर्ष 2024-25 के सत्र से स्पार्क की वार्षिक प्रवेश क्षमता को **200 से बढ़ाकर 300** करने के लिए आयुष मंत्रालय के सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी मिल गई है। वर्तमान में, स्पार्क-03 (2024-25) स्पार्क वेब पोर्टल पर 2161 सफल पंजीकरण हुए हैं और 1154 परियोजनाएं प्रस्तुत की गई हैं।

(ख): स्पार्क कार्यक्रम ने भविष्य में कैरियर के रूप में अनुसंधान को आगे बढ़ाने हेतु स्नातक-पूर्व आयुर्वेद छात्रों को प्रोत्साहित करने का कार्य किया है। यह कार्यक्रम, अनुसंधान योग्यता विकसित करने और अधिकतर स्नातक-पूर्व छात्रों को डॉक्टरल और पोस्ट-डॉक्टरल शोध अध्ययनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करके आयुर्वेद में उच्च गुणवत्तायुक्त अनुसंधान हेतु आधार स्थापित करने में मदद करता है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य, देश में प्रतिभाशाली आयुर्वेद चिकित्सकों/शोधकर्ताओं की टीम का विस्तार करना है, जो पारंपरिक तथा सहायक चिकित्सा और इसके एकीकरण के लिए जी-20 के उद्देश्यों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की पहल को पूरा करने के लिए, अच्छी गुणवत्ता वाले अनुसंधान में भलीभांति प्रशिक्षित होंगे। इससे छात्रों को वैज्ञानिक अध्ययन करने और अपने दम पर अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करने का अनुभव मिलेगा, जो उन्हें उनके भावी कैरियर के विकास में उस समय मदद करेगा जब वे पीजी, पीएचडी कर रहे होंगे और अन्य शोध-संबंधी लक्ष्य प्राप्त करना चाहेंगे। केंद्रीय

आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) को छात्रों के नवीन अनुसंधान विचारों से भी लाभ होता है, जिनका उपयोग उनकी सहमति से बड़े पैमाने पर अनुसंधान परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।

*****